(b) how many such literacy centres are run by non-official organisations in Delhi?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P. YADAV): (a) and (b). Sixty adult literacy centres for women are run by the Directorate of Education, Delhi and twenty five centres for women under Former Functional Literacy Scheme. Besides these, about 30 literacy centres for women are being run by non-official organisations.

'सोयल सर्वे आर्गेनाइजेशन' के कर्मचारी

8654. श्री भारत सिंह चौहान : क्या कृषि और सिंचाई मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 1969 में 'सोयल सर्वे आर्गेनाइजेशन'' को मन्त्रालय से निकाल कर भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् को स्थानान्तरित कर दिया गया था और उसके कर्मचारियो को इस तर्क पर उनका मूल विभाग (कृषि) छोड़ने के लिये मजबूर किया गया था कि मूल विभाग में पद उपलब्ध नहीं है;

(ख) क्या ऊपर बताये गये कारणों के बावजूद, उनके मूल विभाग (कृषि) में बड़े पैमाने पर नई भर्ती की जा रही है परन्तु पुराने कर्मचारियो को वापिस नही लिया जा रहा है; और

(ग) क्या अपने मूल विभाग मे जाने के इच्छुक (पुराने) कर्मचारियों को वापिस लिया जायेगा ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) अखिल भारतीय मृदा और भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन 1 अप्रैल, 1969 से सरकारी और गैर-सरकारी (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) शाखाओ में विभाजित कर दि । गया था । पुराने संगठन के ऐसे कर्मचारियों से जो कि सरकारी पक्ष के पदो पर नही लिए जा सके, अनुरोध किया गया था कि वे भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद के लिए विकल्प दें जिससे कि उस समय सरकारी शाखा में उन्हे खपाने के लिए पद न होने के फलस्वरूप उनकी सेवायें समाप्त करने से बचा जा सके ।

(ख) और (ग) इस संगठन के सरकारी पक्ष का काम उसके बाद काफी बढ़ गया है और स्टाफ में वृद्धि की गई है । सरकार इस प्रश्न पर विचार कर रही है कि क्या उस स्टाफ को अब सरकारी पक्ष के पदो पर नियुक्त करने के बारे में विचार किया जाना चाहिए जिसने शुरू में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद के लिए विकल्प नही दिया था ।

Conditions of Working Women

8655. SHRI SHARAD YADAV: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have made a review of the conditions of working women engaged in different occupations;

(b) whether any progress has been made in the matter of providing creches, etc. for women working in mills, factories and workshops;

(c) whether any provision has been made for hostels for single women working in Offices and other places in the large industrial towns and cities; and

(d) if not, the reasons for not providing these amenities to working women belonging to the industrial working and the middle classes?